भारत सरकार

इस्पात मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 478

24 जुलाई, 2023 को उत्तर के लिए

देश में लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन (एलएमओ) का उत्पादन

478. डॉ. कनिमोझी एनवीएन सोमू:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत पांच वर्षों के दौरान देश में ऑक्सीजन विशेषकर लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन (एलएमओ) के उत्पादन में सार्वजनिक क्षेत्र और निजी क्षेत्र की इस्पात कंपनियों की कुल क्षमता का ब्यौरा क्या है;

(ख) देश में सामान्य रूप से और विशेष रूप से सार्वजनिक क्षेत्र द्वारा एलएमओ के उत्पादन में वृद्धि करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं और क्या एलएमओ की बढ़ती माँग को कम करने के लिए तकनीकी और अन्य नीतिगत हस्तक्षेप भी किए गए हैं; और

(ग) कोविड-19 महामारी के वर्षों के दौरान देश के अस्पतालों में ऑक्सीजन जेनरेटर संयंत्रों द्वारा ऑक्सीजन उत्पादन क्षमता में हुई कुल वृद्धि का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री (श्री फग्गन सिंह कुलस्ते)

(क): सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र की इस्पात कंपनियों की तरल चिकित्सीय आक्सीजन (एलएमओ) उत्पादन क्षमता का विवरण **अनुलग्नक-I** में दिया गया है।

(ख): देश में एलएमओ के उत्पादन को बढ़ाने और बढ़ती माँग को कम करने के लिए किए गए उपायों में निम्नलिखित शामिल हैं:

i. इस्पात कंपनियों द्वारा तरल नाइट्रोजन और आर्गन का उत्पादन कम करके एलएमओ के उत्पादन को बढ़ाया जाना।

ii. भंडारण टैंकों में 2 दिनों के सुरक्षा भंडार की जगह 0.5 दिन का सुरक्षा भंडार बनाए रखना।

iii. तरल ऑक्सीजन विनिर्माताओं को चिकित्सीय उद्देश्यों के लिए तरल ऑक्सीजन की पर्याप्त उपलब्धता होने पर चुनिंदा आवश्यक वस्तु विनिर्माण उद्योगों को छोड़कर अन्य उद्योगों हेतु तरल चिकित्सीय ऑक्सीजन की आपूर्ति को रोकने की सलाह दी गई।

iv. केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों, दोनों द्वारा नए प्रेशर स्विंग अब्सॉर्प्शन (पीएसए) संयत्रों को मंजूरी।

v. राज्यों को कुल 4,16,857 चिकित्सीय ऑक्सीजन सिलिंडर और 113186 ऑक्सीजन कॉन्सेन्ट्रेटर प्रदान किए गए।

vi. इसके अलावा, विनिर्माताओं के भंडारण टैंकों से तरल ऑक्सीजन की जल्द निकासी और अंतिम प्रयोक्ताओं (अस्पताल/ऑक्सीजन सिलिंडर भरने वाले संयंत्र) को त्वरित डिलिवरी के लिए:-

(क) क्रायोजेनिक टैंकर मालिकों को तरल आर्गन/नाइट्रोजन टैंकरों के परिवहन के लिए उपयोग किए जाने वाले उनके मौजूदा क्रायोजेनिक टैंकर को तरल ऑक्सीजन के परिवहन के लिए परिवर्तित करने की अनुमति दी गई।

(ख) क्रायोजेनिक टैंकर मालिकों को सांविधिक छूटें प्रदान की गईं।

(ग) आईएसओ टैंक कंटेनरों को देश के भीतर तरल ऑक्सीजन के मल्टी मॉडल परिवहन की अनुमति प्रदान की गई।

(ग): अस्पतालों की आवश्यकताओं हेतु ऑक्सीजन के उत्पादन में आत्मनिर्भरता को समर्थ बनाने के लिए प्रेशर स्विंग अब्सॉर्प्शन (पीएसए) संयंत्र स्थापित किए गए जिससे देश भर में चिकित्सा ऑक्सीजन आपूर्ति ग्रिड पर पड़ने वाला भार घटा। देश में कुल 4133 पीएसए संयंत्र चालू किए गए। भारत सरकार ने पीएम-केयर्स के अंतर्गत 1225 पीएसए संयंत्रों को स्थापित एवं प्रचालित करके राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों (यूटी) को सहयोग प्रदान किया। देश भर में चालू पीएसए संयंत्रों का विवरण निम्नवत् है:-

स्रोत	**चालू किए गए पीएसए संयंत्रों की संख्या**	**चालू ऑक्सीजन क्षमता (एमटी में)**
पीएम केयर्स	1225	1929
केन्द्र सरकार के पीएसयू	283	356
विदेशी सहायता	52	28
राज्य/सीएसआर पहलें	2573	2496
कुल	**4133**	**4809**

[स्रोत: स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय]

****

अनुलग्नक-I

सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र की इस्पात कंपनियों की एलएमओ उत्पादन क्षमता
(नवीनतम उपलब्ध सूचना के अनुसार)

इस्पात संयंत्र	एलएमओ उत्पादन क्षमता (मीट्रिक टन में)
स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल)	750
राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल)	130
टाटा जमशेदपुर लिंडे	453
टाटा जमशेदपुर एयरवाटर	150
टाटा कलिंगनगर	219
टाटा बीएसएल	244
जेएसएल हिसार	9.5
जेएसएल जाजपुर	52
एएमएनएस हजीरा (आईएनओएक्स)	230
एएमएनएस हजीरा एएसयू	10
जेएसडब्लयू बेल्लारी, बेलॉस्की	106
जेएसडब्लयू बेल्लारी, लिंडे	130
जेएसडब्लयू बेल्लारी, एयरवाटर	100
जेएसडब्लयू बेल्लारी, आईजीपीएल	130
जेएसडब्लयू, डोल्वी	304
जेएसडब्लयू, सेलम	17
जेएसडब्लयू, अंगुल	100
वेदान्ता ईएसएल, बोकारो	17
जेएसडब्लयू बीपीएसएल, झारसुगुडा	25
कल्याणी स्टील, हॉस्पेट	304
कुल	**3480.5**

****